

अध्यक्ष महोदय : माननीय मंत्री इस को इकट्ठा करके भिजवा दें।

डा० राम मनोहर लोहिया : मैं मंत्री महोदय को इतना देता हूँ कि सरकार की तरफ से डेढ़ सौ नगरपालिकाओं में मौत और जन्म के आंकड़े हर महीने इकट्ठे किये जाते हैं और छापे जाते हैं, लेकिन मंत्री जी ऐसा जवाब देते हैं।

अध्यक्ष महोदय : मंत्री महोदय कह रहे हैं कि वह स्टेट्स से इकट्ठा करवा कर मंगवायेंगे।

डा० राम मनोहर लोहिया : इसकी कोई जरूरत नहीं है। खुद दिल्ली में वह मौजूद हैं।

अध्यक्ष महोदय : अगर दिल्ली में मौजूद हैं तो मंत्री महोदय दिल्ली से मंगवा दें।

श्री हाथी : हेल्थ मिनिस्ट्री एक एनुअल रिपोर्ट प्रकाशित करती है

अध्यक्ष महोदय : उसका भी आप पता कर लें।

श्री मधु लिमये : यह सवाल तो मैंने प्रधान मंत्री जी से पूछा था, यह गृह-कार्य मंत्रालय ने कैसे ले लिया।

अध्यक्ष महोदय : अगला सवाल।

Intruders from Pakistan

+

*481. **Shri K. N. Tiwary:**
Shri Bibhuti Mishra:

Will the Minister of Home Affairs be pleased to state:

(a) whether Government's attention has been drawn to the news item under the heading "Pak Intruders Jailed", in the "Times of India" published from Bombay dated the 23rd May, 1966;

(b) if so, whether Government have found out any secret papers from them;

(c) the total number of intruders from Pakistan who have come to India so far since May, 1966; and

(d) the steps taken to oust them from India?

The Deputy Minister in the Ministry of Home Affairs (Shri Vidya Charan Shukla): (a) Yes, Sir.

(b) No secret papers were found with them.

(c) According to the information available, 861 Pakistani intruders were detected to have entered the border States during May and June, 1966.

(d) 137 were pushed back from the border areas soon after their entry. The rest have been or are being prosecuted under the Foreigners Act and will be sent back to Pakistan on the conclusion of legal proceedings or after they have completed their terms of imprisonment as the case may be.

श्री क० ना० तिवारी : क्या सरकार को यह मालूम है कि घुसपैठ करने वाले लोग यहीं के पंचमागियों से मिले हुए हैं। यदि हां, तो इन पंचमागियों के सम्बन्ध में क्या ठोस कार्रवाई की जा रही है जिससे यह घुसपैठ बन्द हो जाये।

श्री विद्या चरण शुक्ल : यह प्रश्न घुसपैठियों के बारे में नहीं है। यह उन लोगों के बारे में है जो इन्ट्रूड करते हैं, जो कि अस्थायी रूप से चोरी करने, डाका डालने या एक दो घन्टे के लिये आते हैं। इन्फिल्ट्रेटर्स का अलग प्रश्न है और उनके बारे में जो कार्रवाई की जाती है उसके बारे में सदन में कई बार बतलाया जा चुका है। यदि इसके सम्बन्ध में अलग से प्रश्न पूछा जाये तो मैं बतला सकता हूँ।

श्री म० ला० द्विवेदी : जो चोरी करने के लिये या डाका डालने के लिये आते हैं क्या वह इन्फिल्ट्रेटर्स नहीं हैं?

अध्यक्ष महोदय : यह जो हेडिंग दी गई है "इन्ट्रूडर्स फ्रॉम पाकिस्तान" इसकी वजह से उनकी एक अलग क्लास हो गई है।

श्री क० ना० तिवारी : क्या यह सही है कि जो इन्ट्रूडर्स पाकिस्तान से या दूसरी जगहों से आते हैं वह इस देश में हथियार स्मगल कर रहे हैं और यहां पंचमागियों को देते हैं जो कि सरकार विरोधी कार्रवाई करना चाहते हैं ?

श्री विद्या चरण शुक्ल : जो इन्ट्रूडर्स होते हैं वह ऐसे इरादों से कम आते हैं। कभी कभी यह हो सकता है कि वह कुछ हथियार भी लाते हों।

श्री यज्ञपाल सिंह : आल इंडिया कांग्रेस कमेटी के दफ्तर का एक अधिकारी जो जासूसी के आरोप में पकड़ा गया है उसके साथ कितने इन्ट्रूडर्स का ताल्लुक है और उसके पास से जा दस्तावेज बरामद हुए हैं उन में से कितने इन्ट्रूडर्स के मामले निकले हैं?

श्री विद्या चरण शुक्ल : उसके बारे में दूसरा प्रश्न भी है। आपने कुछ आधे घंटे की बहस भी उसके बारे में मंजूर की है। इस प्रश्न से इसका कोई सम्बन्ध नहीं है।

अध्यक्ष महोदय : इत्म है कि उसका ताल्लुक है ?

श्री विद्या चरण शुक्ल : कोई ताल्लुक नहीं है।

Shri S. N. Chaturvedi: May I know what distinction the Government makes between "intruders" and "infiltrators"?

Shri Vidya Charan Shukla: As I said, "infiltrators" come here for good; they come here to stay. That is their intention, while the "intruders" come here just to raid across the borders, smuggle and do things like that. That is how we differentiate between the two.

Shrimati Renu Chakravarty: May I know whether it is known to the Government that along the border in East Pakistan there are many areas where curfew has been clamped down now for months past possibly in order to prevent Pak intruders? I would like to know whether it is the policy of Government now to keep this inef-

nite curfew because it is working against our nationals who cannot go out in the night along the riverine borders of West Bengal which they used for taking merchandise for selling in the Bazars of the various areas along the Pakistan border.

Shri Vidya Charan Shukla: Our problems with East Pakistan are well known, particularly to hon. Members from West Bengal. There has been large-scale infiltration across these borders and this curfew was imposed mainly to check illegal infiltration. It is quite likely that this might cause some inconvenience to our citizens also, but in the larger interests of the country it has been found necessary to keep it up.

Shrimati Savitri Nigam: In spite of the fact that all these steps have been taken, the intruders are still active. I would like to know whether Government has tried to find out as to what are the loopholes which are encouraging the intruders to come and what are the new steps to be taken to put an end to this evil and constant headache.

Shri Vidya Charan Shukla: Intrusions across the border are done for various purposes, for example, smuggling, looting and things like that. To check this what we do is to increase the number of border posts and also intensify patrolling activities.

श्री रामसेवक यादव : जो इन्ट्रूडर्स पाकिस्तान से आते हैं उनके हमारे अधिकारी और कर्मचारी इसलिए रोकने में असमर्थ हो रहे हैं कि सरहद पर सतारुद्ध दल के लोग स्मगलिंग उनके जरिये करते हैं और अधिकारियों की हिम्मत नहीं पड़ती है कि उनके खिलाफ कार्रवाई कर सकें, क्या यह सही है ?

श्री विद्या चरण शुक्ल : जी नहीं यह बात बिल्कुल गलत है। इन्ट्रूडर्स को रोकने के लिए हम लोग जो इंतजाम कर रहे हैं वह काफी उपयोगी साबित हो रहा है।

Shri Jashvant Mehta: The intruders are working in collaboration with the

infiltrators and they are also organising on the borders. May I know whether Government has been alert to this and will be able to tell us as to which are the borders where they are more active?

Shri Vidya Charan Shukla: They are active on all our borders between India and Pakistan.

Shri Hem Barua: May I know if the hon. Home Minister is in a position to tell us the extent to which the Pakistan High Commission in Delhi and other Pakistani diplomatic missions in our country are involved in espionage work in our country today?

Shri Vidya Charan Shukla: This does not really arise out of this question.

Shrimati Renu Chakravartty: May I ask just one question of the Home Minister because he has never answered it?

Mr. Speaker: I have allowed her to ask one.

Shri Hem Barua: May I make a submission on a very important matter?

Mr. Speaker: It might be a very important matter.....

Shri Hem Barua: The intruders are in collusion with the spies and recently in the arrest of the AICC employee and some other Congressmen in Calcutta it has been alleged that the Deputy Pak High Commission has been financing these people.

सरकारी कार्यालयों में हिन्दी का प्रयोग

+

- * 483. श्री हुकूमत कदम :
 श्री आशीष शर्मा :
 श्री राजेश सिंह :
 श्री अशोक सिंह सिद्धान्ती :

क्या गृह-कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) केन्द्रीय सरकार के मंत्रालयों

और उनसे सम्बद्ध कार्यालयों में हिन्दी के प्रयोग के बारे में अब तक कितनी प्रगति हुई है ;

(ख) क्या यह सच है कि सरकार हिन्दी सलाहकार समिति के सर्वसम्मति से किये गये कुछ निर्णयों को भी कार्यान्वित नहीं कर सकी है ; और

(ग) क्या यह भी सच है की वे कर्मचारी भी जिन्होंने हिन्दी परीक्षाएं पास की थी राज-भाषा के बारे में सरकार की कमजोर नीति के कारण हिन्दी भूलते जा रहे हैं ?

गृह-कार्य मंत्रालय में उपमन्त्री (श्री विद्या चरण शुक्ल) : (क) सदन के सभा-पटल पर एक विवरण रख दिया गया है [पुस्तकालय में रखा गया। देखिये संख्या एच० टी०-6798/66]

(ख) हिन्दी सलाहकार समिति की केन्द्रीय सरकार के कार्यालयों में हिन्दी के उत्तरोत्तर अधिकाधिक प्रयोग के लिये स्थापित उस समिति द्वारा जून 1966 के अंत तक 35 सिफारिशों की गईं। इनमें से अभी तक 26 सिफारिशों को कार्यान्वित करने के लिये आवश्यक कार्यवाही की गई है। ये कार्यान्वयन की विभिन्न स्थितियों में हैं शेष में से 7 विचाराधीन हैं। शेष 2 सिफारिशों को स्वीकार करना संभव नहीं हो सका।

(ग) जी नहीं। हिन्दी प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले कर्मचारियों के एक काफी बड़े भाग को किसी न किसी प्रकार हिन्दी के काम से सम्पर्क का मौका मिलता है।

श्री हुकूमत चन्द कदमशाय : माननीय मंत्री महोदय ने अपने उत्तर में पहले बताया कि 35 सिफारिशों की गई थीं, उन में से कुछ मानी गई और कुछ विचाराधीन हैं। बाद में उन्होंने बताया कि दो सिफारिशों को मानने में हम असमर्थ रहे हैं। मैं जानना चाहता हूँ कि इन सिफारिशों को न मानने का प्रमुख कारण क्या है ? इन सिफारिशों में कौन सी ऐसी बात थी कि इनको माना नहीं जा सका ?